भोपाल में मेंटल हेल्थ पर होंगे अंकशास्त्री आयुष गुप्ता के सेशंस

भोपाल। राजधानी में अनंत ऊर्जा सफर के सेशंस आयोजित होंगे। छात्र आयुष सेंट्रल जेल, कॉलेजस और इंस्टिट्यूटस में जा कर मैंडिटेशन एवं रैकी के सेशन लेंगे। यह सेशंस विश्व के सबसे युवा रेकी हीलर, सेलेब्रिटी टैरो कार्ड रीडर और अंकशास्त्री आयुष गुप्ता द्वारा लिए जाएंगे।

आयुष गुप्ता दुबई, नेपाल सहित दुनियाभर में अब तक रैकी हीलिंग के माध्यम से 1000 से भी अधिक लोगों का उपचार कर चुके है, जिसमें कैंसर एवं कोमा जैसी गंभीर बीमारियों वाले मरीज भी शामिल है साथ ही आयुष ने 20000 से भी अधिक लोगों को टैरो कार्ड रीडिंग से उनके भविष्य की सही राह दिखाई है जिसमें कई सेलेब्रिटीज भी शामिल है। भोपाल में सेशंस के माध्यम से अलग-अलग जगह अध्यात्म के जरिए मानसिक रूप से सक्षम बनने में मदद की जाएगी। जिससे लोग मानसिक रूप से सक्षम बने रहे।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में मेगा जॉब फेयर 2025 का आयोजन

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित मेगा जॉब फेयर 2025 का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें देश की शीर्ष कंपनियों जैसे अडानी, टाटा पावर, जस्ट डायल, टाटा ऑटोकॉम्प, महिंद्रा, जेबीएम ग्लोबल, एसबीआई लाइफ, एक्सिस बैंक, इंडिया मार्ट, टेक्नोटास्क एवं अन्य 30 से अधिक नामी कंपनियों ने भाग लिया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के करियर डेवलपमेंट सेंटर और प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

इस रोजगार मेले का उद्देश्य छात्रों को एक ऐसा प्लेटफॉर्म प्रदान करना था जहां वे विभिन्न कंपनियों के साथ सीधा संवाद कर सकें, अपनी योग्यता और कौशल का प्रदर्शन कर सकें, और नौकरी के अवसर प्राप्त कर सकें। इस

अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, कोर इंजीनियरिंग, फार्मेसी, मैनेजमेंट, हेल्थकेयर, बीमा, बैंकिंग, मार्केटिंग, और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी कंपनियां उपस्थित रहीं। इस फेयर में भोपाल एवं समीप के विभिन्न महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय के 1000 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिसमें से 470 छात्रों का चयन विभिन्न प्रोफाइल्स में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर विजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आरकेडीएफ विश्वविद्यालय छात्रों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि उन्हें व्यावसायिक दुनिया के लिए तैयार करने का भी भरपूर प्रयास करता है। यह जॉब फेयर छात्रों को रोजगार से जोड़ने का एक प्रभावशाली मंच है, जो उनके भविष्य को दिशा देने में सहायक होगा। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र तकनीकी और व्यवहारिक दोनों स्तरों पर सक्षम बनें और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दें। उदघाटन सत्र में विश्व विद्यालय के महानिदेशक प्रबंधन डॉ. बीएन सिंह, कुलसचिव डॉ. नरेंद्र लारिया, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनील पाटिल, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. रबेश जैन, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर वसीम एवं जॉब फेयर में सम्मिलित सभी कंपनियों के एचआर (मानव संसाधन प्रबंधक) तथा शिक्षकगण एवं भारी संख्या में छात्र उपस्थित थे। मेगा जॉब फेयर के सफल आयोजन के लिए आरकेडीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर एवं चांसलर डॉ. साधना कपूर ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा की एवं चयनित छात्रों को शुभकामनाएंएवं बधाई प्रेषित की। डॉ.साधना कपूर ने कहा की यह मेगा जॉब फेयर न केवल छात्रों को रोजगार प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि यह विश्वविद्यालय की गुणवत्ता, प्रशिक्षण एवं उद्योग से जुड़ाव का प्रमाण भी प्रस्तुत करता है। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय भविष्य में भी ऐसे आयोजन कर छात्रों को उज्ज्वल कॅरियर की ओर प्रेरित करता रहेगा।

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता ने पाया

कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता में 34 फीसदी की गिरावट दर्ज

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

बीते दस सालों में अपनी कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता में 34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जो मुख्य रूप से तेजी से शहरी विकास की वजह से हुआ है। हाल ही में एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के पंकज कोपर्डे तथा सस्टेना ग्रीन्स एलएलपी की प्रतीक्षा चालके द्वारा साथ मिलकर की गई एक स्टडी के नतीजे में शहर की कार्बन डाइऑक्साइड नामक एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस को सोखने की क्षमता में इतनी बड़ी गिरावट की बात सामने आई है। लूजिंग द कार्बन गेम चेंजिंग फेस ऑफ ए ट्रॉपिकल स्मार्ट मेट्रो सिटी एंड इट्स रेपरकशंस ऑन कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, हीट एंड फ्लड मिटिगेशन कैपेसिटी नाम से यह रिसर्च सस्टेनेबल फ्यूचर्स जर्नल में प्रकाशित की गई थी। डॉ. पंकज कोपर्डे ने कहा कि हमारी स्टडी के नतीजे बताते हैं कि पर्यावरण को बेहतर बनाए रखने में शहरी पहाड़ियों और वेटलैंड्स जैसी जियोलॉजिकल एवं इकोलॉजिकल फीचर्स की भूमिका बेहद अहम है, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता। पुणे जैसे ट्रॉपिकल मेट्रो सिटी को लगातार विस्तार हो रहा है, और ऐसे माहौल में इन स्थानीय संपदाओं को नुकसान पहुंचाने के बजाय उनका सही तरीके से उपयोग करके ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट हासिल किया जा सकता है।

साल में 25 मई से 2 जून तक माना जाता है नवतपा

नवतपा एक खगोलीय घटना : सारिका घारू

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

एक ओर जहां देश में तय समय से 8 दिन पहले मानसून के प्रवेश की सूचना है वहीं आज से नवतपा शुरू है। इस बारे में जानकारी देते हुए नेशनल अवॉर्ड प्राप्त सारिका घारू ने बताया कि नवतपा पृथ्वी के सूर्य के चारों ओर 365 दिन में परिक्रमा करने के कारण होने वाली कैलेंडर घटना है जिसमें हर साल 25 मई को पृथ्वी इस स्थिति में पहुंच जाती है कि यहां से देखने पर सूर्य के पीछे आकाश में रोहिणी तारामंडल की स्थिति आ जाती है। इसे कहा जाता है कि सूर्य रोहिणी में प्रवेश कर गया है।

यह ठीक उस प्रकार ही है कि आप अपना जन्म दिन साल की किसी एक खास अंग्रेजी कैलेंडर की दिनांक को मनाते हैं और हर 365 दिन बाद वह पुन: उस ही दिनांक को आ जाता है। इस प्रकार हर साल 25 मई से लेकर 2 जून तक की 9 दिन की अवधि को नौतपा नाम दिया गया है। सारिका ने बताया कि हिन्दी कैलेंडर में

तिथियां और महीना हर साल बदलता रहता है इस कारण इसके आधार पर मनाये जाने वाले दीपावली, होली जैसे त्यौहार की दिनांक बदलती रहती है लेकिन सूर्य की परिक्रमा करती पृथ्वी की स्थिति पर आधारित त्यौहार लगभग उस ही दिनांक को आ जाते हैं जैसे मकर सक्रांति, नवतपा आदि । सारिका ने बताया कि पहले चूंकि हिन्दी कैलेंडर ही प्रचलन में था और मई माह की गर्मी के बारे में सतर्क करने रोहिणी नक्षत्र पर आधारित नवतपा की धारण बताई गई होगी ताकि आमलोग गर्मी से बचाव के लिए तैयारी कर सकें। सारिका ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में गर्मी और नवतपा का सीधा संबंध कई बार नहीं देखा जाता है। इसके साथ ही यह जानना जरूरी है कि जिस प्रकार आप अपना जन्म दिन हर साल याद रखते हैं ठीक उस प्रकार ही याद रखें कि हर साल 25 मई से 2 जून की अवधि को नवतपा नाम दिया गया है। तो करें स्वागत मानसून के प्रवेश की सूचना के साथ नवतपा का।

स्कूलों ने भेजे ही नहीं 10वीं-12वीं प्रोजेक्ट और प्रेक्टिकल परीक्षा के नंबर

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं परीक्षा में सिस्टम की आपराधिक गलती सामने आई है। दरअसल कई स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट और प्रायोगिक परीक्षा के आंतरिक मूल्यांकन के अंक माशिम को भेजे ही नहीं। परिणाम जारी हुए तो ऐसे सैकड़ों विद्यार्थी फेल हो गए, वह भी तब जब लिखित परीक्षा में उनके बहुत अच्छे अंक आए थे। दरअसल 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा में 20 अंक के प्रोजेक्ट और 30 अंक की प्रायोगिक परीक्षा स्कूल स्तर पर ही होती है। परीक्षा के बाद इसके अंक माशिम के आनलाइन माड्यूल पर चढ़ाने होते हैं। यह पोर्टल पूरे समय खुला रहता है। स्कूलों में आनलाइन अंक चढ़ाने के काम में बड़ी गलती की गई और आधे-अधूरे अंक भेज दिए गए। अब इसका खामियाजा परीक्षार्थियों को भुगतना पड़ रहा है।

अपनी गलती छिपाने के लिए स्कूल ऐसे विद्यार्थियों से जबरदस्ती दूसरी परीक्षा का आवेदन करा रहे हैं। माशिमं के पास ऐसे 28 विद्यार्थियों की शिकायत आ चुकी है, जिनका कहना है कि प्रायोगिक परीक्षा देने के बावजूद स्कूल ने उनके अंक नहीं भेजे या आधे-अधूरे नंबर भेजे, जिसकी वजह से वे फेल हुए हैं।

चींटी की टूटी टांग से शुरू होगी जंगल की क्रांति हाथी आएगा दरबार में... और जंगल हिल जाएगा

नन्हे कलाकार जंगल में मचाएंगे हलचल

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

विहान ड्रामा वर्क्स की बहुप्रतीक्षित बाल रंगमंच प्रस्तुति अंधेर जंगल चौपट्ट शेर का मंचन आज शाम 7 बजे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल में किया जाएगा। यह प्रस्तुति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल के सहयोग से आयोजित की जा रही है। नाटक का लेखन, परिकल्पना और निर्देशन सौरभ अनंत ने किया है, जिन्होंने इस बाल नाट्य कार्यशाला को एक रचनात्मक, शिक्षाप्रद और सामाजिक संवाद का माध्यम बनाया है। यह नाटक एक मज़ेदार जंगल-यात्रा है, जहां एक मूर्ख शेर के राज में सब कुछ थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा चल रहा है। बच्चों की नजर से कही गई यह कहानी हंसी और हल्के व्यंग्य के साथ बताती है कि जब चीज़ें उलझने लगें, तो समझदारी, दोस्ती और मिलजुल कर सोचने से कैसे रास्ता निकाला जा सकता है।

नाटक की कथा

एक दिन हाथी अपने मित्र चींटी की टूटी टांग का दु:ख लेकर दरबार में आता है और वहीं से शुरू होती है अन्याय की एक कड़ी- जहां निरीह जीवों को अजीबोगरीब सज़ाएं मिलती हैं। डर से भागा खरगोश जब मेले की नौटंकी में एक कमजोर बिल्ली को जीतते देखता है, तो उसमें प्रतिरोध की चेतना जागती है। वह मंच से पुकारता है- अगर आज मेरी बारी है, तो कल तुम्हारी भी होगी। नाटक अंतत: साहस, विवेक और एकता की जीत का संदेश देता है।

रंगमंच केवल अभिनय नहीं जीवन की तैयारी है

निर्देशक सौरभ अनंत के शब्दों में, बाल रंगमंच बच्चों के भीतर संवेदना, प्रश्न और कल्पनाशीलता की नई ऊर्जा जगाता है। यह नाटक सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि बच्चों के लिए नेतृत्व, न्याय और साहस की पहली पाठशाला है। नाटक में बच्चों ने संवाद, दृश्य-निर्माण और अभिव्यक्ति के हर पहलू में सक्रिय भागीदारी की है। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षकों में श्वेता केतकर, हेमंत देवलेकर, अंकित परोचे समेत 20 से अधिक अनुभवी रंगकर्मी शामिल रहे हैं।

मुख्य कलाकारों में शामिल हैं

कनुप्रिया मेवाड़ा, अनाया अकबर, अदवेका माहेश्वरी, राग अमन, मिश्का कपूर, मोहक सोनी, कृशा अनंत, शिवांश नामदेव, पद्मजा नामदेव, राधिका कटारिया सहित 35 से अधिक नन्हे कलाकार, जो रंगमंच को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

ग्रेज्युएशन करने के लिए अब 12वीं कक्षा पास करने की जरुरत नहीं

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश में कक्षा 10वीं के बाद पॉलिटेक्निक करने वाले छात्रों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, अब ऐसे छात्रों को इस डिप्लोमा का लाभ नॉन टेक्निकल कोर्सेस में मिलेगा, जिससे उन्हें ग्रेज्युएशन करने के लिए अब 12वीं कक्षा पास करने की जरुरत नहीं होगी,बल्कि पॉलिटेक्निक करने के बाद स्टूडेंट सीधे बीए, बीकॉम या बीएससी के फर्स्ट ईयर में एडमिशन ले सकेंगे।

इस संबंध में तकनीकी शिक्षा विभाग ने एमपी बोर्ड का प्रस्ताव भी भेजा है। इसके मंजूर होने के बाद नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के अनुसार यदि कोई विद्यार्थी तीन साल के

पॉलिटेक्निक करने के बाद स्टूडेंट सीधे बीए, बीकॉम या बीएससी के फर्स्ट ईयर में एडमिशन ले सकेंगे

डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा। जानकारों का मानना है कि इस पहल से पॉलिटेक्निक की विश्वसनीयता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को करियर के अधिक विकल्प मिलेंगे। इससे न सिर्फ तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवाओं को शैक्षणिक लचीलापन भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी ने कहा कि प्रस्ताव को बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड में चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा।

इंजीनियरिंग में मिलता है डिप्लोमा का लाभ

वर्तमान में 10वीं पास करने के बाद जो स्टूडेंट पॉलिटेक्निक कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, उनका डिप्लोमा तीन साल का होता है और इसे करने के बाद विद्यार्थी सीधे बीई के सेकंड ईयर में प्रवेश के पात्र होते हैं, लेकिन अब तक पॉलिटेक्निक करने वालों को कॉमर्स, आर्ट्स या अन्य मेन स्ट्रीम्स में प्रवेश नहीं मिल पाता था। ऐसे में पॉलिटेक्निक के बाद यदि छात्र नान टेक्निकल कोर्स में दाखिला लेते थे, तो उन्हें पहले 12वीं की परीक्षा पास करनी होती थी, लेकिन अब इसकी जरुरत नहीं होगी. माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग से जो प्रस्ताव मिला है उसे बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा। इसके बाद ही निर्णय हो सकेगा.

वर्तमान शैक्षणिक सत्र से लागू हो सकती है व्यवस्था

तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पॉलिटेक्निक कॉलेजों में प्रवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत पॉलिटेक्निक के दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा गया है और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है. बता दें कि तकनीकी शिक्षा विभाग वर्तमान में नए कोर्स को तैयार कर प्रवेश कराने के लिए काउंसलिंग की तैयारी में जुटा हुआ है।

पालीटेक्निक में प्रवेश बढ़ाने के लिए लिया फैसला

अधिकारियों ने बताया कि कई बार स्टूडेंट इसी कारण पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने से हिचकिचाते हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले घट हैं. तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के मुताबिक कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा। इसके बाद उसका कॉलेज में मनचाही स्ट्रीम में एडमिशन हो सकेगा।

सच ग्लैमर

राणा नायडू सीजन 2 का प्रीमियर 13 जून को नेटफ्लिक्स पर

फिक्सर वापस आ गया है और इस बार मामला है पर्सनल

हैदराबाद। मशहूर प्रसाद सिनेमा में एक खास सेलेब्रेशन देखने को मिला, जहां फैंस की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके की मेजबानी की सुपरस्टार राणा दग्गुबाती ने जिनके साथ मौजूद थे वर्सेटाइल और डायनैमिक अभिनेता अर्जुन रामपाल। ये इवेंट नेटफ्लिक्स की जबरदस्त सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन की वापसी का सेलेब्रेशन था। दोनों सितारों ने बड़े ही शानदार अंदाज में ग्रैंड एंट्री ली और राणा नायडू सीजन 2 का एक विशाल पोस्टर अनावरण किया, जिससे आने वाले धमाके की झलक मिल गई।

इस मौके पर फैंस को सीजन 2 की पहली झलक भी दिखाई गई, जिससे शो को लेकर एक्ससाइटमेंट और भी बढ़ गई । अभिनेता राणा दग्गुबाती ने कहा कि सीजन 2 यह वाकई धमाकेदार है। यह पहले से बहुत विशाल है, और बहुत ज्यादा पर्सनल भी है। नेटफ्लिक्स और पूरी राणा नायडू टीम के साथ दोबारा काम करना बहुत मजेदार रहा। हमने चीजों को और गहराई से दिखाया, और ज्यादा पेचीदा बनाया। हर स्तर पर दांव बढ़ा दिए हैं। ये वही सब कुछ है जो दर्शकों को पसंद आया था बस और भी बड़े धमाके के साथ। पहले सीजन को दर्शकों और फैंस से बहुत प्यार मिला, मुझे खुशी है कि आज हम ये एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक फैंस के साथ साझा कर पाए। अर्जुन का आज मेरे साथ होना खास है और मेरे लिए बहुत मायने रखता है। शो में भले ही राणा और रऊफ (अर्जुन रामपाल का किरदार) आमने-सामने हैं, लेकिन यहां हैदराबाद में मैं एकदम परफेक्ट होस्ट बनने की कोशिश कर रहा हूं।

अर्जुन रामपाल ने कहाकि रऊफ के किरदार को निभाना आसान नहीं था, लेकिन करन अंशुमन की लगन और मेहनत से यह मुमकिन हो पाया। उन्होंने इस किरदार में जिस हल्के फूल्के अंदाज में गढ़ा है उससे यह एक बेहतरीन और दिलचस्प कैरेक्टर बन गया, जिसे निभाने में मुझे बहुत मजा आया। रऊफ बिलकुल भी नहीं डरता। इस सीजन में राणा नायडू की मुश्किलें

बढ़ने वाली हैं, रऊफ ने पूरा इंतजाम कर रखा है! यह तो बस मेरा किरदार है, लेकिन निजी तौर पर मेरी राणा के साथ शूटिंग के दौरान अच्छी दोस्ती हो गई है। उनके साथ काम करना वाकई शानदार अनुभव रहा। और वेंकी भी बहुत अच्छे हैं। पूरी कास्ट बहुत टैलेंटेड है।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच एक्सप्रेस पर। आवेदन के लिए लिंक करें www.buddy4study.com

यूक्यू इंटरनेशनल हाई अचीवर्स अवार्ड - इंडिया 2025

- विवरण: यूक्यू (यू यूथ) इंटरनेशनल हाई अचीवर्स अवार्ड - इंडिया 2025, वर्वीसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा विश्वविद्यालय में पूर्वस्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों को प्रदान किया जा रहा है।
- मानदंड: भारत सहित चुनिंदा देशों के ऐसे छात्र आवेदन के पात्र हैं, जिनके पास वैध पासपोर्ट हैं। आवेदकों को वर्वीसलैंड विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक पूर्वस्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करने का प्रस्ताव प्राप्त होना चाहिए। छात्रों के पास अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता, सम्बंधित कार्यक्रम के लिए प्रवेश रैंक और विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रतियोगी स्कोर होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: शैक्षिक शुल्क में प्रति सेमेस्टर 20 प्रतिशत की छूट।
- अंतिम तिथि : पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/UQI1
- QR Code: https://d2w71lp59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/20251743482473.png

एजुकेशन फ्यूचर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2025

- विवरण: एजुकेशन फ्यूचर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2025, एजुकेशन फ्यूचर संगठन द्वारा उन मेधावी भारतीय छात्रों को प्रदान किया जा रहा है जो विश्व स्तरीय किसी भी शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं।
- मानदंड: सभी वैध पासपोर्ट धारक भारतीय नागरिक आवेदन के पात्र हैं। आवेदकों को भारत के बाहर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में पूर्वस्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना आवश्यक है। उनके द्वारा कक्षा 10 और 12 में न्यूनतम 60त्न अंक प्राप्त करना अनिवार्य है तथा शिक्षा हेतु कोई भी वित्तीय साधन के अभाव को साबित करने में सक्षम होना चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 2 से रुपए 10 लाख के बीच छात्रवृत्ति राशि।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/EFIS5
- QR Code: https://d2w71lp59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/20251743482407.png

द रोड्स स्कॉलरशिप्स फॉर इंडिया 2026

- विवरण: द रोड्स स्कॉलरशिप फॉर इंडिया 2026, मैकऑलेर मैकबेन फाउंडेशन (एनजीओ) के दूसरी सदी के संस्थापक ज़ॉन मैकऑलेर मैकबेन ओरी के साथ साझेदारी में रोड्स ट्रस्ट की एक पहल है। यह अवसर भारतीय स्नातकोत्तर आवेदकों को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक अध्ययन के लिए दिया जा रहा है।
- मानदंड: 1 अक्टूबर 2025 तक 18 से 27 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक आवेदन के पात्र हैं।
- आवेदकों को जुलाई 2026 तक अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करना और पिछले 10 वर्षों के भीतर भारत में कम से कम 4 साल की औपचारिक शिक्षा प्राप्त करना अनिवार्य है (जिसमें माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा या किसी भारतीय विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री शामिल है।)
- छात्र के पास ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर टॉट पाठ्यक्रम के लिए प्रस्ताव भी होना चाहिए।
- इनाम/लाभ: पाठ्यक्रम शुल्क, 19,800 की राशि प्रति वर्ष जीवनयापन स्टाइपेंड हेतु एवं अन्य खर्च
- अंतिम तिथि: 23-07-2025
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/TRSI3
- QR Code: https://d2w71lp59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/the-rhodes-scholarships-for-india-20261746455042.png

द ग्लासगो एमबीए स्कॉलरशिप 2025

- विवरण: द ग्लासगो एमबीए स्कॉलरशिप 2025, ग्लासगो विश्वविद्यालय द्वारा एमबीए पाठ्यक्रम में आवेदन करने वाले छात्रों को प्रदान की जा रही है। स्कॉलरशिप का उद्देश्य छात्रों को उनकी पढ़ाई जारी रखने एवं विविधता, समानता तथा समावेश को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- मानदंड: आवेदक भारत सहित चुनिंदा देशों के नागरिक होने चाहिए। उन्हें सितंबर 2025 के एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश के लिए बिना शर्त प्रस्ताव या केवल उनके आईईएलटीएस स्कोर पर सशर्त प्रस्ताव प्राप्त होना चाहिए। आवेदक को एमबीए साक्षात्कार में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है एवं एक मजबूत शैक्षणिक रिकॉर्ड (प्रथम श्रेणी ऑनर्स) अथवा पेशेवर उपलब्धि युक्त एक विशिष्ट रिकॉर्ड प्रदर्शित करना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: शिक्षण शुल्क के लिए 18,750 यूरो (लगभग रुपए 17,03,381) तक की एकमुश्त स्कॉलरशिप राशि प्राप्त होगी।
- अंतिम तिथि: 21-07-2025
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/UGAS4
- QR Code: https://d2w71lp59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/20251741612549.png